State Council of Educational Research & Training, Chhattisgarh

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्,छत्तीसगढ़, शंकर नगर, रायपुर

Telephone-0771-2443596 Fax-0771-2443496 Website: www.scert.cg.gov.in Email:scertcg@gmail.com

क्रमांक / परिषद् / SCERT/ODL/ 2018 / 975 रायपुर, दिनांक 16/03/2018

प्रति,

समस्त अध्ययन केन्द्र
दूरस्थ शिक्षा–SCERTCG-NIOS
छत्तीसगढ़

विषयः– SCERTCG-NIOS द्वारा संचालित डी.एल.एड. पाठ्यक्रम में विषय 504, 505 एवं SBA हेतु संपर्क कक्षाऐं (PCP) आयोजित करने बाबत्।

SCERTCG-NIOS द्वारा दूरस्थ माध्यम से डी.एल.एड. की पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इसमें पूर्व में 08 (आठ) संपर्क कक्षाओं का आयोजन विषय 501, 502 एवं 503 का किया जा चुका है।

विषय 504, 505 एवं SBA (School Based Activity) हेतु 07 संपर्क कक्षाओं का आयोजन किया जाना है। संपर्क कक्षाओं के संचालन हेतु दिशा निर्देशः–

1. संपर्क कक्षाओं का आयोजन दिनांक 18 मार्च 2018, 25 मार्च 2018, 29 मार्च 2018, 30 मार्च 2018, 01 अप्रैल 2018, 08 अप्रैल 2018, 15 अप्रैल 2018 (07 दिवस) को आयोजित करें।
2. स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार दूरस्थ अध्ययन केन्द्र प्रभारी तिथियों में परिवर्तन कर सकते हैं। परिवर्तन स्थिति में अध्ययन केन्द्र में अप्रशिक्षित शिक्षकों को समय पूर्व जानकारी देना सुनिश्चित करें।
3. संपर्क कक्षाओं की अध्ययन सामग्री http://dled.nios.ac.in तथा http://scert.cg.gov.in में इलेक्ट्रानिक माध्यम में उपलब्ध है। इसका उपयोग किया जाना है। आपको ई–मेल के माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध करायी जा रही है।
4. संपर्क कक्षाएँ – 504, 505 एवं SBA हेतु आयोजित होंगी। **504– प्राथमिक स्तर पर गणित सीखना** तथा **505– प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन के अधिगम** है। अतः इस हेतु स्रोत व्यक्तियों का चयन केन्द्र प्रभारी अपने स्तर में करेंगें 501, 502, 503 के स्रोत व्यक्ति यदि संबंधित विषय के है तो उन्हें 504, 505 विषय हेतु स्रोत व्यक्ति नियुक्त किया जा सकता है परंतु यथासम्भव नये स्रोत व्यक्ति नियुक्त करें।
5. SBA-511 (School Based Activity) हेतु प्रपत्र अंग्रेजी माध्यम में इस पत्र के साथ उपलब्ध कराये जा रहे हैं, हिन्दी माध्यम के प्रपत्र शीघ्र ही उपलब्ध कराया जायेगा।

6. SBA-511 के प्रपत्र अंग्रेजी माध्यम वाले अंग्रेजी में तथा हिन्दी माध्यम वाले हिन्दी में, हस्तलिखित सादे कागज (लाईन वाली अथवा कोरे) में जमा करेंगे।
7. सम्पर्क कक्षाओं हेतु समय सारिणी (Schedule) संलग्न है इसमें स्थानीय आवश्यकता के अनुसार अध्ययन केन्द्र प्रभारी परिवर्तन कर सकते हैं।
8. SBA-511 हेतु सम्पर्क कक्षायें वरिष्ठ स्रोत व्यक्ति, 504—स्रोत व्यक्ति, 505—स्रोत व्यक्ति द्वारा लिया जाना है अर्थात SBA-511 हेतु पृथक से स्रोत व्यक्ति नियुक्त नहीं करना है।
9. SBA-511 का मूल्यांकन वरिष्ठ स्रोत व्यक्ति, 501—स्रोत व्यक्ति, 502—स्रोत व्यक्ति, 503—स्रोत व्यक्ति, 504—स्रोत व्यक्ति 505—स्रोत व्यक्ति द्वारा मेंटर के रूप में समान संख्या के अभिलेखों का मूल्यांकन करेंगे। अध्ययन केन्द्र प्रभारी पर्यवेक्षक (Supervisor) के रूप में अभिलिखों का मूल्यांकन करेंगे।
10. 504 एवं 505 हेतु असाईनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि 8 अप्रैल 2018 होगी। SBA-511 के प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 18 अप्रैल 2018 होगी।
11. परीक्षा में शामिल होने के लिये सेवारत अध्यापकों को सम्पर्क कक्षाओं में 75% उपस्थिति अनिवार्य होगी अर्थात 12 सम्पर्क कक्षाओं में उपस्थिति होनी चाहिये। दिनांक 15.04.2018 तक 7 सम्पर्क कक्षायें पूर्ण करना है। अर्थात 26 दिसम्बर 2017 से 15 अप्रैल 2018 के मध्य पूर्व में संचालित 8 सम्पर्क कक्षाओं को शामिल करते हुये कुल 15 सम्पर्क कक्षायें पूर्ण होनी चाहिये।
12. 501, 502, 503 की परीक्षा 27—29 अप्रैल 2018 को सम्भावित है, तथा 12 दिनों की SBA-511 (Workshop Based Activity) 1 मई से 15 मई के बीच सम्भावित है (वस्तविक तिथि हेतु पृथक से निर्देश जारी होंगे)।

संलग्नः उपरोक्तानुसार

Smita

(डॉ. सुनीता जैन)
अतिरिक्त संचालक,
एस.सी.ई.आर.टी.,छत्तीसगढ़

पृ. क्रमांक / परिषद् / SCERT/ODL/ 2018 / 976 रायपुर, दिनांक 16/03/2018
प्रतिलिपिः—

1. अध्यक्ष, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान, नई दिल्ली।
2. प्रमुख सचिव, छ.ग. शासन, स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर।
3. संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय, इन्द्रावती भवन, नया रायपुर को सूचनार्थ।
4. प्रबंध संचालक, राजीव गांधी शिक्षा मिशन, रायपुर को सूचनार्थ।
5. समस्त कलेक्टर को सूचनार्थ ।
6. क्षेत्रीय संचालक, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान, रायपुर को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
7. प्राचार्य डाइट .... को सूचनार्थ तथा आवश्यक कार्यवाही हेतु।
8. जिला शिक्षा अधिकारी .... को सूचनार्थ तथा आवश्यक कार्यवाही हेतु।

Smita

अतिरिक्त संचालक,
एस.सी.ई.आर.टी.,छत्तीसगढ़

Diploma in Elementary Education (D. El. Ed.) 2017-19

Common PCP (Personal Contact Programme) Sessions Schedule (First Year) at Study Centers in the State Chhattisgarh

Day	Date	Morning Session 10:30 AM to 01:00 PM	Lunch Break 01:00 PM to 02:00 PM	Afternoon Session 02:00 PM to 04:00 PM
01	18-03-2018	504- "Learning of maths at elementary level" units-1, 2 & 3		504- "Learning of maths at elementary level" units-4 & 5
02	25-03-2018	504- " Learning of maths at elementary level" units- 6 & 7		504- "Learning of maths at elementary level" units- 8 & 9
03	29-03-2018	504- "Learning of maths at elementary level" units- 10, 11 & 12		505- "Learning of EVS at primary level" units-1 & 2
04	30-03-2018	505- "Learning of EVS at primary level" units- 3 & 4		505- "Learning of EVS at primary level" units- 5 & 6
05	01-04-2018	505- "Learning of EVS at primary level" units- 7 & 8		505- "Learning of EVS at primary level" units- 9, 10 & 11
06	08-04-2018	Discussion on "SBA- 511.1- Case Study"		Discussion on "SBA-511.2- Maintenance of School/Class records and registers" & Plenary session on course based assignments Courses-501 & 502
07	15-04-2018	Discussion on "SBA-511.3- Contribution to School Programme" & Plenary session on course based assignments courses-503, 504		Discussion on "SBA-511.3- Contribution to School Programme" & Plenary session on course based assignments courses-505

Note: Each session will be of 2 ½ hour Duration. The flexibility in the schedule is allowed as per the local needs in consultation with DIET Principal and District Education Officer concerned.

पाठ्यक्रम-6 : 504 प्रारंभिक स्तर पर गणित का अधिगम

a. **परिचय :-** शिक्षा के प्रारंभिक स्तर के लिए NCF 2005 के आधार पर प्रतिपादित गणित का संशोधित पाठ्यक्रम गणित शिक्षा में नूतन विकासों और झुकावों पर चितंन करना है। यह गणित के शिक्षण और अधिगम में संकल्पनात्मक समझ, कौशल क्षमता और चिन्तन कौशलों पर बल प्रदान करना है। ये सामर्थ्य गणितीय समस्या समाधान योग्यता के विकास के लिए अनिवार्य हैं। तर्कशीलता, अनुप्रयोगों और तकनीक के प्रयोग पर भी बल प्रदान करने की आवश्यकता है तकनीक की उन्नति हमारे पढ़ाने के तरीकों को बदले देती है और गणित की तकनीक सीखाता है। छात्रों को अवसरों की आवश्यकता है गणित को संचारित करने और कारण ढूढ़ने की। उनमें विचार विमर्शो को प्रोत्साहित करना और गतिविधियों में व्यस्त रहना अपेक्षित है जहाँ वे संभावनाओं को खोज और संयोजित कर सकें। ये गुणात्मक परिवर्तन गतिविधि आधारित और अधिगमकर्ता केन्द्रित प्रणालियों तथा शिक्षण और अधिगम उपागमों में परिवर्तन की अपेक्षा रखते हैं।

b. **उद्देश्यः-**

- यह पाठ्यक्रम अग्रदर्शी शिक्षक को समर्थ बनायेंगाः-
- प्रारंभिक गणित शिक्षा से संबंधित मुद्दों और स्थिति पर विचार करने में।
- प्रारंभिक गणित के मूलों पर प्रवीणता प्राप्त करने में।
- प्रारंभिक स्तर पर गणित शिक्षण के शिक्षा शास्त्रीय कौशलों को प्राप्त करने में।
- गणित अधिगम और शिक्षण में तकनीक यंत्रों के साथ विविध गणितीय यंत्रों के प्रयोग को प्रभावी बनाने में।
- गणितीय संकल्पनाओं में युवा बच्चों के अधिगम और निष्पादन के मूल्यांकन का कौशल प्राप्त करने और गणित में उनकी समझ एवं निष्पादन को समृद्ध करने में, कौशलों के प्रयोग में।

खण्ड 1- विद्यालय के प्रारंभिक स्तर पर गणित सीखने का महत्व

इकाई 1 : बच्चे गणित कैसे सीखते हैं?

- तरीका जैसे बच्चा सोचता है।
- संज्ञानात्मक विकास के स्तर।
- गणितीय संकल्पना का विकास।
- प्रारंभिक बचपन के दौरान गणित अधिगम।
- गणित अधिगम के तरीके।
- गणित का डर।
- गणित अधिगम को आनंददायक बनाना।

इकाई 2: गणित एवं गणितीय शिक्षा : महत्व, क्षेत्र एवं सार्थकता

- गणित की प्रकृति : तार्किकता, परिशुद्धता, सुव्यवस्थित, पृथक्करण पर लक्षित करना।

- प्रारंभिक स्तर पर गणित शिक्षा का महत्व और विस्तार :-

  ज्ञान की सभी शाखाओं से सम्बन्धित सभी प्रकार के अनुभवों को वास्तविक जीवन के अनुभवों को विकसित करना, वास्तविक जीवन स्थिति में प्रस्तुत समस्याओं के समाधान में गणित का ज्ञान अपेक्षित है।

इकाई 3: गणित शिक्षा के उद्देश्य एवं परिप्रेक्ष्य

- गणित शिक्षा के उद्देश्य :- विद्यालय स्तर पर गणित शिक्षा के विस्तृत एवं संकुचित लक्ष्य। प्रारंभिक विद्यालय स्तर पर गणित शिक्षा के विशिष्ट उद्देश्य।

- विद्यालय गणित के दर्शन :- विद्यालय में गणित शिक्षा और बच्चे। कक्षाकक्ष और पाठ्य पुस्तकों से स्तर गणित शिक्षा का विस्तार। विद्यालयी गणित शिक्षा में समस्यायें। गणित अधिगम को आनंदपूर्ण अनुभव बनाना।

इकाई 4 : अधिगमकर्ता और अधिगम केन्द्रित प्रणालियाँ/विधियाँ

- गणित संकल्पनाओं के शिक्षण में उभरते झुकाव : प्रारंभिक विद्यालय स्तर पर गणित शिक्षक के संज्ञानात्मक, संरचनात्मक, अनुभवजन्य और गतिविधि आधारित उपागम।

  प्रारंभिक स्तर पर गणित शिक्षण-अधिगम की विधियाँ:- आगमनात्मक और विगमनात्मक, परियोजना, समस्या उठाना और समस्या समाधान, ICON प्रारूप विधि, S-E निर्देशात्मक विधि, संकल्पना मानचित्रण।

  गणित अधिगम को अधिक चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक बनाना : प्राथमिक स्तर के छात्रों में सृजनात्मक योग्यतायें विकसित करने के लिए गतिविधियाँ (गणित क्लब का संघटन, क्षेत्र अध्ययन, सेमिनार, संगोष्ठी, गणित मेला आदि)। सृजनात्मक सोच के लिए गणित प्रयोगशाला और पुस्कालय का उपयोग।

  गणित को संचारित करना : गणित पाठ्यचर्चा और कक्षाकक्ष अभ्यास, गणित के शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में पाठ्य-पुस्तकों की भूमिका, गणित प्रयोगशाला, संसाधन कक्ष, गणित के डर को दूर करने और असफलता से लड़ने के लिए अधिगमकर्ता के साथ अंत:क्रिया। प्रारंभिक विद्यालयों के गणित पाठ्यचर्चा से प्रत्यक्ष उदाहरणों के साथ प्रत्येक उपागमों एवं विधियों पर विचार विमर्श करना। केवल सही परिणाम पर पहुँचने की अपेक्षा एक गणितीय समस्या के समाधान की सभी संभव वैकल्पिक प्रक्रियाओं की खोज को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

खण्ड 2 : गणितीय प्रत्ययों एवं विधियों का संवर्धन

इकाई 5: संख्यायें एवं संख्याओं पर संक्रियाएं

- संख्या और संख्यापद, संख्या प्रणाली (प्राकृतिक संख्या, पूर्ण संख्या, पूर्णांक, परिमेय संख्या, भिन्न और दशमलव)

संख्याओं पर चार संक्रियाओं का निष्पादन, आकलन कौशलों का विकास और मानसिक संगणना के निष्पादन की योग्यता, अंश, गुणात्मक, H.C.F. और L.C.M

- दैनिक जीवन की परिस्थितियों में अंकगणित का अनुप्रयोग, (पूर्ण संख्या, पूर्णांक, परिमेय संख्या और दशमलव) प्रतिशतता, ब्याज, लाभ और हानि, कार्य और समय।

इकाई 6: आकृतियाँ और स्थानिक संबंध

- मूल ज्यामितीय संरचनायें : अपरिभाषित शब्दावली — बिन्दु, रेखा और समतल, मौलिक ज्यामितीय संकल्पनायें — रेखा खण्ड, किरणें, कोण और कोणों का माप, समानान्तर और प्रतिच्छेदी रेखायें।
- ज्यामितीय आकृतियाँ:- द्वि और त्रिविमीय आकृतियाँ, आकृतियों के प्रारूप और प्रतिमान, सर्वागसमता और समानता, अनुवाद, परावर्तन और घूर्णन, सममिति, ज्यामितीय यंत्रों का प्रयोग कर संरचना, आकृतियों में प्रतिरूप।

इकाई 7 : माप और मापन

- मापन के रूप में दो समान वस्तुओं की तुलना
- लम्बाई, क्षेत्र, भार और आयतन के मान और अमानक माप
- मापन की मेट्रिक प्रणाली
- समय का मापन

इकाई 8 : आँकड़ों का प्रबन्धन

- डाटा का संग्रहण, संगठन और प्रस्तुतीकरण।
- डाटा के विश्लेषण और व्याख्या के लिए प्रारंभिक सांख्यिकीय तकनीकें।
- डाटा का चित्रात्मक चित्रण।

इकाई 9 : सामान्यीकृत अंकगणित के रूप में बीजगणित

- बीजगणितीय शब्दावली और अभिव्यक्ति, बीजगणितीय शब्दावली पर संक्रिया।
- प्रतिरूपों के द्वारा सामान्यीकृत परिणामों को अभिव्यक्त करने में अज्ञात मानों का उपयोग, समस्याओं को उनके गणितीय संरचना में बदलना और तब उनको बीजगणितीय समीकरणों से हल करना।

गणितीय संकल्पनाओं के स्पष्टीकरण के समय उन्हें उपयुक्त विधियों और उपागमों के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए जैसा कि खण्ड 1 के इकाई 4 में वर्णित किया गया है। ये संकल्पनायें कक्षाकक्ष में कार्य सम्पदान की प्रक्रिया में शुद्धता के लिए सम्बद्ध की जानी चाहिए।

खण्ड 3 : गणित में अधिगमकर्ता का आकलन

इकाई 10 : गणित अधिगम के आकलन के उपागम

- पारंपरिक और उभरते उपागम : पारंपरिक उपागम के लक्षण, गतिविधि आधारित उपागम में मूल्यांकन के लक्षण। प्रारंभिक स्तर पर मूल्यांकन के लिए जुड़े हुए गणितीय अधिगम को निभायें।

- मूल्यांकन में उभरते हुए चलन : स्व-मूल्यांकन, साथी/समूह मूल्यांकन, सहयोगी मूल्यांकन, पोर्टफोलियो मूल्यांकन, सत्रीय कार्य के जरिये मूल्यांकन, परियोजनायें और संकल्पना मानचित्रण।

इकाई 11 : आकलन के साधन एवं प्रविधियाँ

- सतत एवं समग्र मूल्यांकन, मौखिक और कागज-पैंसिल जाँच, कक्षाकक्ष कार्य संपादनों और मूल्यांकन जाँचों में मुक्त सिरा प्रश्नाों का अत्यधिक उपयोग। सक्षमता आधारित वस्तुओं का विकास, इकाई जाँच परीक्षाओं की तैयारी।
- अवलोकन के जरिये छात्रों की रुचियों का मूल्यांकन, प्रदर्शनियों में भागीदारी, क्विजों, पहेलियों, खेलों, शिक्षण अधिगम सामग्रियों का विकास।
- प्रारंभिक स्तर पर गणित में सतत एवं समग्र मूल्यांकन के आयोजन के लिए बहुपयोगी सेट।

इकाई 12 : गणित अधिगम के आकलन हेतु फोलोअप/अनुकरण

- मूल्यांकन के द्वारा सूचना : प्रत्येक अधिगमकर्ता के लिए मूल्यांकन सूचना के संग्रहण एवं साक्ष्यांकन की विधि, अधिगमकर्ताओं, उनके अभिभावकों एवं अन्य साझीदारों को प्रतिपुष्टि प्रदान करना।
- मूल्यांकन का अनुकरण :- गणितीय अधिगम की संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में कमजोरी और ताकत का आकलन, योजना और उपचारी माप प्रदान करना तथा अधिगमकर्ता को संकल्पना में ताकत देने के लिए अतिरिक्त समृद्ध गतिविधियां उपलब्ध कराना।

पाठ्यक्रम 7 : 505 - प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन का अधिगम

9. परिचय

विद्यालय के प्राथमिक स्तर पर विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरणीय शिक्षा में दृष्टिकोण बनाने के लिए प्राथमिक कक्षाओं के वर्तमान पर्यावरण अध्ययन पाठ्यक्रम का एक एकीकृत संदर्भ के लिए प्रारूपित किया गया है। पर्यावरण अध्ययन शिक्षा अधिगमकर्ताओं की विवेचनात्मक चिन्तन कौशलों के वैश्विक नागरिक बनाने तथा प्राकृतिक वातावरण के लिए संवेदनशील एवं आदर और सामाजिक आर्थिक पर्यावरण के प्रति व्यवहारिक होने के बारे में मदद करता है। यह पाठ्यक्रम आपको आपके पर्यावरण और पर्यावरण शिक्षा की समझ को बल प्रदान करेगा। शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण के साकल्यवादी परिप्रेक्ष्य और पर्यावरण अध्ययन के अभिप्राय को विकसित करने में यह आपकी मदद भी करेगा।

औपचारिक शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत पाठ्यचर्या और पाठ्य पुस्तकें नीति और अभ्यास के मध्य मार्मिक संबंध प्रदान करता है, जबकि यदि केवल पाठ्यचर्या और पाठ्यपुस्तकों को छोड़ दिया जाये तो अध्ययन प्रक्रिया सफल नहीं हो सकती। औपचारिक शिक्षा प्रणाली के लिए शिक्षक मुख्य हैं। शिक्षक की सक्रिय भागीदारी एवं नवीनता प्रभावी शिक्षण एवं अधिगम के लिए निर्णायक हैं।

पर्यावरण विषय के संयोग में यह पाठ्यक्रम विविध प्रकार के शिक्षण अधिगम तकनीकों से सामना करता है जो कि आपको आपके कक्षाकक्षों में अधिगम पर्यावरण सृजित करने में मदद करेगा जो

विद्यार्थी केन्द्रित और बच्चों द्वारा चालित अधिगम के लिए अनुकूल है। पाठ्यक्रम का प्रारूप इस तरह से प्रारूपित किया गया है कि यह आपको शिक्षा के प्रारंभिक स्तर पर नये विचारों के साथ पर्यावरण अध्ययन के प्रभावी कार्य संपादन के लिए समर्थ बनायेगा। हम उम्मीद करते हैं कि औपचारिक शिक्षा में पर्यावरण अध्ययन के लक्ष्य को निष्पादित करने में आप इस पाठ्यक्रम को लाभदायक पायेंगे।

पाठ्यक्रम उद्देश्य :-

यह कार्यक्रम शिक्षक को समर्थ बनायेगा —

- पर्यावरण के महत्व और संकल्पना को समझने में।
- पर्यावरण के साकल्यवादी परिप्रेक्ष्य को विकसित करने में।
- प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण के बारे में अधिगम के महत्व को स्वीकार करने में।
- अन्त:क्रिया और अनुभवजन्य अधिगम पर लक्ष्य के साथ प्राथमिक बच्चों के लिए उपयुक्त शिक्षण-अधिगम गतिविधियों का प्रारूप बनाने में।

  प्रत्येक बच्चे के अधिगम स्तरों, अधिगम परेशानियों को पहचानने और भविष्य की समृद्धि के लिए उपयुक्त रणनीतियों के प्रारूप का मूल्यांकन करने में।

B. प्रणाली

विद्यालयों में पर्यावरण अध्ययन के प्रभावी शिक्षण अधिगम को स्वीकृत करने में यह आवश्यक है कि शिक्षकों को उनकी पर्यावरण के विषय में समझ को बढ़ाने में सहायता दी जाये और इसको विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के साथ सम्बद्ध किया जाये। इस समझ का विकास करना विवेचित है क्योंकि अन्य विषयों को बहुत नापमंद किया जाना समझा जायेगा। विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और पर्यावरण शिक्षा को समाविष्ट करते हुए पर्यावरण अध्ययन एक समेकित विषय है। पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण अधिगम के लिए इस प्रकार सम्बन्ध एवं संयोजन स्थापित करना निर्णायक है। यह पाठ्यक्रम शिक्षण अधिगम के एक क्षेत्र के रूप में पर्यावरण अध्ययन की समझ एवं अदभुतता बढ़ाने में शिक्षक एवं शिष्यों को पर्याप्त सूचना, समय और स्थान प्रदान करता है।

इस संबंध में यह सुनिश्चित करें कि कक्षाकक्ष में पर्यावरण अध्ययन का सुरक्षित है। शिक्षक शिष्यों के पुनरावलोकन चिन्तन और विश्लेषण के तरीके जिससे वे कक्षाकक्ष में पर्यावरण अध्ययन की पुस्तकों को व्याख्यायित और कार्य संपादित करते हैं महत्वपूर्ण है। यह पाठ्यक्रम पर्यावरण अध्ययन की पाठ्यपुस्तकों की संरचना और प्रारूप के पीछे के दर्शन एवं कारण को विमर्शित करता है। यह आगे तर्क प्रस्तुत करता और न्यायसंगत ठहराता है कि पर्यावरण अध्ययन के अधिगम को व्यवहारिक, अन्वेषणात्मक और वास्तविक जीवन पर आधारित होना अपेक्षित है।

एक विद्यालय में चयनित समुदाय सदस्यों के सहयोग से अभ्यास में लायी गयी वास्तविक जीवन पर आधारित और व्यवहारिक गतिविधियाँ न केवल विद्यालय में शिक्षकों एवं शिष्यों को सार्थक योगदान दे सकती है बल्कि विद्यालय को समुदाय तक पहुँचने में समर्थ बना सकती है।

कुछ ऐसी शिक्षण अधिगम गतिविधियों को सामान्य एवं रूचिपूर्ण अन्वेषणात्क गतिविधियों के सहयोग से अभ्यास में लाया जा सकता है। जो कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्रियों पर उत्तरदायी की जा सकती है। यह पाठ्यक्रम शिक्षक-शिष्यों को 'मूल्यांकन के उद्देश्य एवं प्रणाली को अनभूत करने के तरीके का पुनरावलोकन करने को प्रोत्साहित करता है। नूतन शिक्षण अधिगम तकनीकों से मूल्यांकन के उद्देश्य एवं इसके लिए प्रयुक्त यंत्रों एवं तकनीकों को पुनः व्याख्यायित करना अपेक्षित होगा।

विषय वस्तु

खण्ड 1 : प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण अधिगम का महत्व

इकाई 1 : अधिगम के प्रारंभिक स्तर पर पर्यावरण का महत्व

- पर्यावरण की समझ
- पर्यावरण का महत्व : पर्यावरण के प्रकार — प्राकृतिक और मानव निर्मित, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक। प्रकृति के संरक्षण की आवश्यकता, परिवार पड़ोस, समाज, राष्ट्र और विश्व में अन्यों के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन।
- पर्यावरण और बच्चा : बच्चे की उन्नति और विकास पर पर्यावरण का महत्व। बच्चे को उसके पर्यावरण का बोध।
- अधिगम के पर्यावरण का मूल्यांकन करना।

इकाई 2 : प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण-अधिगम के उद्देश्य एवं क्षेत्र

- प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन क्यों?
- NCF 2005 के विशेष संदर्भ में प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण अधिगम के उद्देश्य।
- पर्यावरण अध्ययन में अन्तर्निहित मूल्य।
- शिक्षण मूल्य :- प्रेक्षण कौशलों, सह संबंध प्रायोगिकरण, अज्ञात मूल्य।
- हमारे पर्यावरण का मूल्यांकन :- भारतीय परम्परा।

इकाई 3 : पर्यावरण अध्ययन अवधारणाओं के शिक्षण शास्त्रीय विचार

- पर्यावरण अध्ययन का लक्षण :- समेकित, सांदर्भिक, अधिगमकर्ता केन्द्रित, न सही न गलत, मूल्य पर्यावरण अध्ययन के अनिवार्य घटक हैं।
- बच्चे कैसे सीखते हैं?
- पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण अधिगम का शास्त्रीय संगठन :- बच्चे का पर्यावरण

  — अधिगम प्रयोगशाला

  — अन्वेषण का सरलीकरण, मूर्त से अमूर्त और ज्ञान से अज्ञान की ओर।

— कक्षाकक्ष में जीवन आधारित अधिगम।

— अनुशासन का अभाव

— संवाद एवं प्रश्न पूछने को बढ़ावा

— शिक्षक की भूमिका

- बच्चे के ब्रह्मांड का विस्तार

इकाई 4: प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन के पाठ्यचर्यात्मक प्रावधान

- NCF 2005 के विशेष संदर्भ में पर्यावरण अध्ययन का उद्देश्य।
- पाठ्यक्रम से पाठ्य पुस्तक की ओर।
- कक्षाकक्ष और पाठ्यपुस्तक से बाहर जा ज्ञान।
- पर्यावरण अध्ययन के कार्य संपादन में उपस्थित चुनौतियाँ।

खण्ड 2: पर्यावरण अध्ययन की पाठ्यचर्या एवं शिक्षा-शास्त्र

इकाई - 5 : पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण-अधिगम हेतु उपागम : क्रिया आधारित अधिगम एवं सहयोगी अधिगम

- पर्यावरण अध्ययन के संकल्पना के कार्य संपादन में गतिविधि आधारित उपागम। समूह आधारित सहयोगी और सहकारी उपागम।
- सहकारी अधिगम में चुनौतियाँ।

इकाई 6 : पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण-अधिगम की विधियाँ

- प्रेक्षण की विधियाँ, सृजनात्मक अभिव्यक्ति (नाटक, नृत्य, कठपुतली, संगीत, सृजनात्मक लेखन), क्षेत्र भ्रमण परियोजना, छोटे समूह विचार विमर्श, प्रयोग, पर्यावरण अध्ययन की संकल्पना के शिक्षण अधि गम की प्रक्रिया में समस्या समाधान।

इकाई 7 : पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण और अधिगम की योजना बनाना

- दैनिक पाठ नोंटों की तैयारी और वार्षिक पाठ योजना
- पर्यावरण अध्ययन की संकल्पनाओं पर विषय आधारित पाठ-योजना की तैयारी।
- पर्यावरण अध्ययन के अधिगम क्षेत्र का विकास करना और उनका उनके दैनिक एवं वार्षिक शिक्षण योजना में उपयोग करना।

इकाई 8 : पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण-अधिगम हेतु संसाधन एवं सामग्री

- पर्यावरण अध्ययन के लिए स्थानीय अधिगम संसाधनों और स्थानीय साधन सेवियों की पहचान करना। उपयुक्त शिक्षण अधिगम रणनीतियों के लिए स्थानीय अधिगम संसाधनों का उपयोग करना।

- विद्यालय/घर के पर्यावरण में उपलब्ध तत्वों के द्वारा कम लागत एवं बिना लागत के अधिगम सामग्रियों एवं अधिगम गतिविधियों का संग्रहण एवं सृजन करना।
- सामग्रियों का संसाधन कक्ष : समुदाय संसाधन, अन्य संसाधनों का विकास, रखरखाव और इस्तेमाल, समाचार पत्र प्रतिवेदनों, चलचित्रों, तस्वीरों, फोटोग्राफ, बीजों का संग्रह, फूलों इत्यादि, स्थानीय क्षेत्रों का मानचित्र, प्रतिमानों का मानचित्र।
- पर्यावरण अध्ययन के लिए सांदर्भिक TLMs का संग्रहण, सृजन, भंडारण और प्रयोग में बच्चों एवं समुदाय के सदस्यों की भूमिका को समझना।

खण्ड 3 : पर्यावरण अध्ययन में अधिगम का आकलन

इकाई 9 : पर्यावरण अध्ययन में अधिगम का मूल्य निर्धारण

- शिक्षण के उद्देश्यों से संबंधित मूल्यांकन
- पर्यावरण अध्ययन के अधिगम उद्देश्यों के संदर्भ में अधिगम के मूल्यांकन के आवश्यक उद्देश्य
- पर्यावरण अध्ययन में अधिगम के मूल्यांकन के विभिन्न तरीकों पर विचार विमर्श, पर्यावरण अध्ययन में सतत एवं समग्र मूल्यांकन।
- मूल्यांकन के प्रकार, मूल्यांकन के लक्षण।
- अधिगम केन्द्रित मूल्यांकन।

इकाई 10 : पर्यावरण अध्ययन में अधिगम आकलन के उपकरण एवं तकनीकें

- विभिन्न प्रकार के मूल्यांकन यंत्रों का विकास चुनाव और प्रयोग

  — जाँच परीक्षायें

  — प्रेक्षण अनुसूची

  — श्रेणी पैमाना

  — श्रव्य-दृश्य अभिलेखन
- मूल्यांकन तकनीकें
- अधिगम उद्देश्यों के मूल्यांकन पर विचार

इकाई 11 : मूल्यांकन के परिणामों का अध्येताओं की समझ की वृद्धि के लिये उपयोग करना

- बच्चों के साथ मूल्यांकन परिणामों का अभिलेखन एवं साझा करना।
- विद्यार्थियों के ताकत एवं कमजोरी को पहचानना एवं विश्लेषण करना।
- शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं का पुनरावलोकन करना और सुधार करना।

- पर्यावरण अध्ययन की संकल्पना, अधिगम की सशक्तिकरण के लिए योजना बनाना और समृद्ध बनाने वाली गतिविधियों का आयोजन करना।

पाठ्यक्रम 8 : 508- प्रारंभिक स्तर पर कला, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा तथा कार्य शिक्षा का अधिगम

पाठ्यक्रम का प्रारूप

इस पाठ्यक्रम का प्रारूप कला, स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा तथा कार्य शिक्षा में साकल्यवादी अधिगम प्रदान करने के लिए किया गया है। प्रारंभिक शिक्षकों में पर्याप्त ज्ञान प्रदान करने तथा इच्छित कौशलों की समृद्धि के लिए सभी तीनों घटकों को आवृत किया गया है ताकि वे अपने शिष्यों को इन क्षेत्रों में अधिगम करने के लिए सरलीकरण के योग्य बना सकें। विषय पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक को उनके महत्व के अनुसार अलग-अलग नीचे दिया गया है :-

1. **कला शिक्षा**

   पाठ्यक्रम के मूलाधार और उद्देश्य

   कला शिक्षा अधिगमकर्ताओं के मध्य सृजनात्मक अभिव्यक्ति के लिए सार्थक अवसर प्रदान करता है। यह समाज की संस्कृति को समझने एवं आदर करने के लिए जीवन कौशलों की समृद्धि, मूल्यों को मन में बैठाने और संवेदनशीलता विकसित करने में सहायता करता है। कला जबकि एक आंतरिक अनुभव, कुछ चीजों की अनुभूति, विवेचन और उसके अनुसार जीने का दृश्य या निष्पादन है। यह दोनों 'करना' और होता है। विद्यालय शिक्षा के प्रारंभिक शिक्षकों से अपेक्षित है कि वे अपने शिष्यों में कलात्मक विकास की प्रक्रिया को समझें। उनकी सृजनात्मक अभिव्यिक्ति और उनमें प्रायोगिक अधिगम के लिए एक प्रेरक वातावरण सृजित करें। एक अच्छी तरह से प्रारूपित कला शिक्षा का पाठ्यक्रम प्रत्येक शिक्षक शिष्य में सौन्दर्यात्मक समझदारी, कलात्मक योग्यता और सृजनात्मक कौशलों का विकास कर सकता है।

विशिष्ट उद्देश्य :-

- प्रशिक्षु अध्यापक योग्य होगा :-
- कला शिक्षा को समझने और रसास्वादन करने में।
- कला शिक्षा के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की कलाओं के ज्ञानार्जन में।
- प्रत्येक बच्चे के साकल्यवादी विकास के लिए कला शिक्षा को अभिष्ट बनाने में।
- विभिन्न कला रूपों की सुन्दरता के प्रति जवाब व्यक्त कर मौलिक अन्वेषण, अनुभव और मुफ्त अभिव्यक्ति के माध्यम से कलात्मक और सौन्दार्यत्मक समझदारी का विकास करना।
- प्रारंभिक विद्यालय के पाठ्यचर्या के इर्दगिर्द के विभिन्न कला रूपों को एकीकृत करना।

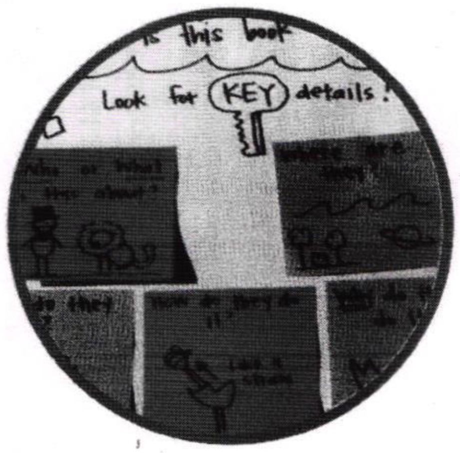

DIPLOMA IN ELEMENTARY EDUCATION

(D.El.Ed.)

Personal Contact Programme (PCP)
and
Practical Manuals

511 - School Based Activities
512 & 513 - Workshop Based Activities
514 - Practice Teaching

National Institute of
Open Schooling

511

School Based Activities

1.0 INTRODUCTION

The School Based Activities constitute an essential component of the D.El.Ed programme. Apart from the classroom teaching, a school teacher is also responsible for a number of scholastic and school management related activities. As an efficient and competent teacher you have to always maintain a comprehensive record of entire learners' performance pertaining to continuous and comprehensive evaluation, socio-emotional behaviour, and other significant information about their aptitude, interests etc. Starting from addressing morning assembly in general and many others specific activities are regularly conducted in the school system. You are expected to develop skills and competencies in you conducive for organizing such activities in actual school settings.

School based experiences activities provide you firsthand exposure to the systematic schooling procedure. It enables you to develop your own understanding of the realities of working with mentors and children in school situations. You will carry out scientific observation in school setting under the supervision of mentors/supervisor who are asked to guide your performance. School based activities enables you to develop the professional expertise and understanding as a Qualified Teacher in practical sense.

This programme will be conducted during the first year of the course, given weightage of 4 credits. You are required to conduct the activities in your respective school settings. Some senior teachers or head teacher or CRC coordinator or competent retired teachers or senior teacher from nearby Secondary/Senior Secondary school will be your mentors/ supervisors. From the observation, you need to make reports on your activities and have to make a portfolio. There will be no final examination for this course as the main focus is on your participation.

These activities have been selected out of a long range of activities on the basis of their needs and importance in school functioning. The total number of activities identified for this purpose is listed below under each group. You are required to conduct activities according to the list mentioned under each group. You will organize/conduct these activities under the active guidance/supervision of the mentor/supervisor

511-SCHOOL BASED ACTIVITIES (SBA)

The whole of activities involve 120 study hours.

511.1 Case study of a school child **1 Credit(30 study hours)** **30 marks**

511.2 Maintenance of school/class records and registers
1.5 Credit (45 study hours) **35 marks**
(7x5)

511.2.1 Preparation of progress report of the pupils

511.2.2 Anecdotal Record (based on specific observation)

511.2.3 Maintenance of Lesson Diary/Notes

511.2.4 Preparation of schedule and conducting arrangement/substitute class schedule and conducting substitute classes.

511.2.5 Preparation of record of library, laboratory and sports activities for pupils

Note: For the activities of (i) Progress report of the students, (ii) Anecdotal record (based on specific observation), (iii) Lesson diary/ Notes the formats available in the respective working school need be followed.

For the activities (iv) Conducting arrangement/substitute class teaching in school situation and (v) Record in library, laboratory and sports activities of learners the formats are provided for reference.

511.3 Contribution to School programmes 1.5 Credit(45 study hours) 35 marks
(7x5)

511.3.1 Organizing morning assembly and other assemblies and preparing a report of the process and outcome achieved

511.3.2 Reportingthe process of PTA/MTA/SMC (School Management Committee) meeting and outcome achieved

511.3.3 Organisation of social festivals in the schools

511.3.4 Organization of Annual sports or Annual day of the school

511.3.5 Organisation of Excursion/fields visit

Note: The report need to contain description in the light of criteria given in the rating scale.

Note: The activities need be conducted from October to March in the school itself)

Execution

The school based activities as listed above are to be organized at your work place. The schedules of these activities are to be prepared by you in consultation with the mentor/supervisor and the head of the school. You will conduct these activities under the guidance/supervision of the mentor who may be one of your colleagues or the head of the school. The mentor/supervisor will supervise the organization of these activities. You are required to submit the reports to the mentor for assessment under the **authentication of the head of the school.**

Assessment

Since the school based activities constitute one of the essential components of the programme having a weightage of four credits, their evaluation becomes important. It is, therefore, impressed upon the mentor and the supervisor to be fairly objective in assessing your performance by the help of rating scale.

The assessment of the school based activities is the responsibility of the mentor and the supervisor. In this process the mentor will observe these activities while they are being conducted/ organized by you. For each activity, after it is being organized, you will prepare reports mentioning the process of organization, difficulties faced, if any, personal experiences about the conduct of the activity and feedback received from the learners involved. **Each report will be authenticated by the mentor** with his/her observations/remarks. The mentor will retain all these reports with him/her and pass them on to the supervisor. The supervisor may also observe some of the activities at the time they are being organized. **The final assessment will be done by the supervisor**. S/he will award mark to each activity on the basis of observation of the mentor and his/her own observations. The supervisor will use appropriate rating scales for awarding marks to the activities conducted by you. S/he will also make an overall rating of your activities in a five point scale on your keenness of maintaining records, nature of suggestion given by you to solve the school based problems, comprehensiveness and clarity of your reports. After assessing each activity separately, an overall grade will be calculated for all the activities. The award list will be submitted to the Study centre coordinator for further necessary action. **The reports are to be returned to the teacher trainees to produce those for verification during the workshop-I at study centre.**

The formats and the rating scales are given here as under-

511.1-CASE STUDY OF A CHILD

511.1.1-Format for the CASE STUDY

1. Name of the Teacher Trainee :
2. Enrolment No:
3. Name and Address of the Study Centre:
4. Name and Address of the School:

A) IDENTIFICATION DATA:

1. Name of the Student:
2. Date of Birth:
3. Male/Female:
4. Natural/ Guardian's Name: Father:
   Mother:
   Guardian:
5. Class in which Studying:
6. Postal Address:
7. Monthly income of the parents/Guardian:
8. Profession and Educational Qualification of Father /Guardian:
9. Profession and Educational Qualification of Mother:
10. No. of :.................................Brothers................................ Sisters
11. Ordinal Position of the Child among the Siblings:...

B) RECORDING OF THE PROBLEM AND SOLUTION

1. Objectives of the case study.
2. Nature of the Problem- Scholastic/Co- Scholastic/ regularity, punctuality etc. (Viz-Attendance, emotion, recreation, playing, speaking, writing, listening etc)
3. Probable reasons for the problems of the child:...
4. What are the strengths with the child:...
5. Details of intervention carried out with the child:...
6. Effect of the intervention:...

Signature of the Teacher Trainee

Counter signature by the Head Master with office seal

Signature of Mentor **Signature of Supervisor**

Note:- Case Study report need be written basing on the points mentioned above. Additional information may be added if need be.
-Procedure of conducting the study need be mentioned in the report
- Study may be carried out within 3 months.

511.1.2-Rating Scale for CASE STUDY (School Based Activities)

Name of the Teacher Trainee :

Enrolment No. :

Name and address of the school :

Rating need to be done according to the following criteria

Criteria	Ratings				
	(5-Excellent, 4-Very Good, 3-Good, 2-Average, 1-Unsatisfactory)				
Identification of the learner with problem	5	4	3	2	1
Collection of family history of the learner (Income & qualification of parents, sibling status etc.)	5	4	3	2	1
Formulation of objectives of the case study	5	4	3	2	1
Appropriateness of intervention (Remedial measure adopted)	5	4	3	2	1
Procedure adopted to collect data about the student with problem	5	4	3	2	1
Clarity of conclusions drawn	5	4	3	2	1

Total Marks out of 30:

Signature of Mentor
(Authentication)

Signature of Supervisor
(Assessment)

511.2- MAINTENANCE OF SCHOOL/CLASS RECORDS AND REGISTERS

511.2.1 Format for Conducting Arrangement/ Substitute Class Teaching in School Situation

1. Name of the Trainee:..
2. Enrolment No:..
3. Name and Address of the School:..
4. Date of Substitute Teaching:..
5. Subject Taught:..
6. Topic:..

   (Each trainee should conduct /deliver substitute teaching activities related in any scholastic/co-scholastic area that has some educative values which can influence the learners)

7. Substitute Activities Conducted in the class: (Give detail report about the substitute activities/ teaching). (Use Separate Sheet if necessary)

   (i) Area (Specification of the Activity)

   (ii) Process/Method of activity conducted (Details)

   (iii) Outcome of the activity (Specific):

Counter signature by the Head Master with office seal | **Signature of the Teacher Trainee**

Signature of Mentor | **Signature of Supervisor**

NOTE: A trainee is need to prepare report on minimum 4 arrangement/substitute classes taken during the year. He/she has to attach the copy of the daily schedule/developed in the school system for arrangement of the classes in the absence of teacher(s).

511.2.2 Format Schedule for Assessment of Library/Laboratory/Sports Resources by Teachers Trainee

Name of Teacher Trainee : ....

Enrolment No. : ....

Name and Address of the School: ....

Total no. of books in library : ....

No. of books in different subject area: ....

List of equipment and chemicals in the laboratory (list to be attached): ....

List of Sports material available in school (list to be attached): ....

The teacher trainee conducts a study of the school library/laboratory/sports resources on the basis of the following criteria:

Components	Yes/No
(i) Provision of separate library room in the school	
(ii) Adequacy of library books in different subject area	
(iii) Provision of enrichment materials in different subject area	
(iv) Provision of suitable newspapers, magazines, journals, periodicals etc.	
(v) Teacher helps to develops proper study habits with the pupils by	
a) Providing study guidance	
b) Monitoring the type of books being frequently issued	
(vi) Mode of issue of books including provision of issue card	
(vii) Adequacy of laboratory equipments and chemicals	
(viii) Process of arranging of equipment and chemicals	
(ix) Adequacy of sports materials	
(x) Process of arranging of sports materials	

Counter signature by the Head Master with office seal

Signature of the Teacher Trainee

Signature of Mentor

Signature of Supervisor

511.2.3 Rating Scale for Maintenance of Records and Registers (School Based Activities)

Name of the Teacher Trainee :

Enrolment No. :

Name & address of the school :

Name of the records maintained (each record will be evaluated as per the rating scale out of 35 and the average of five records as under will be taken to consolidate the mark of trainee in this activity)

(i) Progress report of the students

(ii) Anecdotal record (based on specific observation)

(iii) Lesson diary/ Notes

(iv) Conducting arrangement/substitute class teaching in school situation

(v) Record in library, laboratory and sports activities of learners

Rating need to be done according to the following criteria

Criteria	**Ratings** (5-Excellent, 4-Very Good, 3-Good, 2-Average, 1-Unsatisfactory)				
(i) Knowledge of basic principle of maintenance of report/ record	5	4	3	2	1
(ii) Efforts to motivate the pupils	5	4	3	2	1
(iii) Keenness of keeping record update	5	4	3	2	1
(iv) Cleanliness of the records maintained	5	4	3	2	1
(v) Clarity of the information put forth	5	4	3	2	1
(vi) Description of the problem encountered in maintaining the records	5	4	3	2	1
(vii) Solution suggested to overcome the problem	5	4	3	2	1

Total marks out of 35:

Counter signature by the Head Master with official seal

Signature of Mentor
(Authentication)

Signature of Supervisor
(Assessment)

511.3-CONTRIBUTION TO SCHOOL PROGRAMMES

511.3.1 Format for Organising the Morning School Assembly

Mentor/Supervisor is to rate the student teacher according to the comments provided by the mentor/ supervisor.

Name of the Teacher Trainee: ....

Enrolment No. : ....

Name of the School: ....

i. **Description of the preparatory activities**
   - Organization of the morning assembly

ii. **Objectives of the activity**

iii. **Steps taken for conducting the activity**
   - Arrangement of the class-wise gathering
   - Maintenance of discipline
   - List of the activities conducted

iv. **Procedures of conducting the activity**
   - Communication skill
   - Language clarity
   - Readiness of the speaker
   - Capacity of holding the attention of listeners

v. **Problems encountered during the activity:** ....

vi. **Solution envisaged relating to the problem:**..

vii. **Impact of the activity on school environment**

Has the resume' for the all assembly address been appended? **Yes/No**

Signature of the Teacher Trainee

Counter signature by the Head Master with office seal

Signature of Mentor **Signature of Supervisor**

511.3.2 Format for Reporting about PTA/MTA/SMC meeting

Name of the Teacher Trainee : ______________________________

Enrolment No. :______________

Class:________________________Date:__________________________

(i) Description of the preparatory activities for conducting PTA/MTA/SMC meeting: ______________________________

(ii) Objectives of the meeting : ______________________________

(iii) Steps taken for conducting the meeting:

(iv) Procedures of conducting the meeting in the school:__________________

(v) Problems encountered for conducting the meeting : __________________

(vi) Solution envisaged relating to the problem: __________________

(vii) Impact of the meeting on school environment:__________________

Signature of the Teacher Trainee

Counter signature by the Head Master with office seal

Signature of Mentor **Signature of Supervisor**

511.3.3 Format for organisation of social/national festivals

Name of the Teacher Trainee : ....

Enrolment No.: ....Class:...

Date:.....................................Time/Duration:...

(i) Description of the preparatory activities for conducting the festivals: ....

(ii) Objectives of conducting the festivals : ....

(iii) Steps taken for conducting the festivals

(iv) Procedures of conducting the festivals in the school: ....

(v) Problems encountered for conducting the festivals : ....

(vi) Solution envisaged relating to the problem: ....

(vii) Impact of the festivals on school environment: ....

Signature of the Teacher Trainee

Counter signature by the Head Master with office seal

Signature of Mentor **Signature of Supervisor**

511.3.4 Format for Organising Annual Sports/Annual day of the school

Name of the Teacher Trainee : ....

Enrolment No.: ....Class:..

Date:..Time/Duration:...

(i) Description of the preparatory activities for conducting the Annual Sports/Annual day:

....

(ii) Objectives of conducting the Annual Sports/Annual day : ....

(iii) Steps taken for conducting the Annual Sports/Annual day

(iv) Procedures of conducting the Annual Sports/Annual day in the school: ....

(v) Problems encountered for conducting the Annual Sports/Annual day : ....

(vi) Solution envisaged relating to the problem : ....

(vii) Impact of the Annual Sports/Annual day on school environment: ....

Signature of the Teacher Trainee

Counter signature by the Head Master with office seal

Signature of Mentor **Signature of Supervisor**

511.3.5 Format for Organising Field Trip/Excursion

Name of the Teacher Trainee : ....

Enrolment No.: ....Class:...

Date:..Time/Duration:...

Tick mark the venue of the field trip

a) Historical monument

b) Fair

c) State assembly

d) Akashwani/Doordarshan

e) Zoological Park

f) Museum/Planetarium

g) Dam

h) Factory

i) Any other, please specify

i. Description of the preparatory activities for organising the Field Trip/Excursion keeping in mind learners interest : ....

ii. Objectives for organising the Field Trip/Excursion : ....

iii. Steps taken for organising the Field Trip/Excursion .

iv. Procedures for organising the Field Trip/Excursion in the school: ....

v. Problems encountered for conducting the Field Trip/Excursion: ....

vi. Solution envisaged relating to the Field Trip/Excursion : ....

vii. Impact of the Field Trip/Excursion on school environment: ....

Signature of the Teacher Trainee

Counter signature by Head Master with office seal

Signature of Mentor **Signature of Supervisor**

511.3.6- Rating Scale for Contribution to School Programmes (School Based Activities)

Name of the Teacher Trainee : ....

Enrolment No. : ....

Name & address of the school : ....

Name of the overall school related activities (each record will be evaluated as per the rating scale out of 35 and the average of five records as under will be taken to consolidate the mark of trainee in this activity)

(i) Organizing morning school assembly

(ii) Reporting about PTA/MTA/SMC meeting

(iii) Organisation of social/national festivals

(iv) Organising annual sports/Annual day of the school

(v) Organising field trip/excursion

Rating need to be done according to the following criteria:

	Criteria	**Ratings** (5-Excellent, 4-Very Good, 3-Good, 2-Average, 1-Unsatisfactory)				
(i)	Description of the preparatory activities	5	4	3	2	1
(ii)	Objectives of the activity	5	4	3	2	1
(iii)	Steps taken for conducting the activity	5	4	3	2	1
(iv)	Procedures of conducting the activity	5	4	3	2	1
(v)	Problems encountered during the activity	5	4	3	2	1
(vi)	Solution envisaged relating to the problem	5	4	3	2	1
(vii)	Impact of the activity on school environment	5	4	3	2	1

Total Marks out of 35:

Counter signature by Head Master with office seal

Signature of Supervisor (Assessment)